

Course Code - PGHNP 2 COO3T

HINDI NOVEL

Credit - 4

क्रमांक - 102  
संख्या - 3 दस्ते

Unit I

निम्नलिखित वैद्यतात्त्विक प्रश्नों के उत्तर हैं, सही विकल्प चुनें।  
प्रश्नों के उत्तर हैं :

1 - 'एक अचार्य स्त्री सुजान' नामक उपन्यास के लेखक कौन है ?  
(अ) प्रेसवर्ष (ख) बालकृष्ण गुप्त (ग) लक्ष्माराम जेठा (घ) रामेश्वर मास्टी

2 - गोकुल वा वाराणसी नाम + आठ है :  
(अ) रामेश्वर (ख) लक्ष्माराम (ग) गोपनीय (घ) लक्ष्मीनाथ

3 - प्रेसवर्ष के निधि उपन्यास का द्वितीय छाती का विवर है ?  
(अ) लक्ष्मीनाथ (ख) लक्ष्मीनाथ (ग) रामेश्वर (घ) गोकुल

4 - 'गोकुल' का प्रथम वर्ष कानून है :  
(अ) 1936 ई. (ख) 1937 ई. (ग) 1938 ई. (घ) 1939 ई.

5 - इसमें कौन-सा लेखक उपन्यास का लेखक है :  
(अ) अक्षरराम (ख) योगिश्वररामरेणु (ग) लक्ष्मीनाथ (घ) विवाह

6 - "उक्त के लिये जैसे ते सारे संग्रह के भवान के विषय का विवर है,"  
वैद्यतात्त्विक जैसे ते शब्द उपन्यास के लिए उपयोग किया जाता है :

(अ) डॉ रामेश्वर (ख) समना (ग) बालकृष्ण (घ) लक्ष्मी

7 - 'लिङ्गो सर्वानी' की लेखिका कौन है :  
(अ) लक्ष्मीनाथ (ख) लक्ष्मीनाथ (ग) उषा श्रीनिवास (घ) लक्ष्मी शास्त्री

P - 2

भिन्नों की जगह  
अलौकिक है :

(क) वेशभासुर है (ख) त्रिलोक नामी है (ग) लग्नकीट (घ) गार्दनी है ।

9 - उत्तरार्थी के परिषद् भासुर है :

(ए) बाहु (ख) लक्ष्मीनारायण (ग) विष्णु (घ) राधा

10 - राघुनाथ चेष्टा है :

(क) श्रीराम है (ख) श्रीकृष्ण है (ग) अवधारी है

(घ) किंचन है

Unit II

$$10 \times 1.5 = 15$$

गिरावलिङ्ग लक्ष्मीनारायण के ठार है :-

1 - श्रीराम के अवधारी भी विशेषज्ञात हैं  
आश्रव

श्रीराम श्रीरामी उपर्याप्त हैं गतोविश्वलेखनावादी उपर्याकों की श्रिया  
पर प्रसादा है ।

2 - राघु भीरुदि का गोदान उच्छव नीवत का सदाचान्तम है  
आश्रव

दोस्री के अवधार पर श्रीराम है ।

3 - श्रीराम के रूप हैं लोकों के ऐसे वरदातकार, जैसे  
द्वाराजसेवन का वर्णन का विवरण किया है । इस एक की अवधारणा  
होनी। के

आश्रव

लक्ष्मी के अवधार वी विशेषज्ञात है ।

1. नियोग संस्थानी उपचार की आवश्यकता के अन्तर्गत प्रबोधन  
पर उपचार दें।

2. 'उल्लंघन गाव के देवता' उपचार की आवश्यकता प्रबोधन  
पर उपचार दें जिसका उपचार के बाहर पात्र वाला की  
रुक्षिता उपचार करे।

$$5 \times 8 = 40 \text{ दिन}$$

### unit III

दीर्घ उपचारेष्टी उपचारों के ढारे हैं :—  
(जोड़ विनापुष्टों के ढारे )

1. शुष्क उपचार उपचार चिन्ही उपचार की विधि पर उपचार दें।

2. उपचार में चमो-बंधु का उपचार विधि द्वारा 'गोरुकाम' के  
बंधु विधि की प्रयोग करें।

3. फला जौआल की संस्थानों पर उपचार दें।

4. नियोग संस्थानी उपचार के संतुष्ट वारिकार की विधियों का  
पूछ एवं अपार्व विधि उपचार — उपचार करें।

5. रोट्ट का उपचार 'उल्लंघन गाव के देवता' विधि :

जाहिरायितों-विवाहितों के जीवन का उल्लंघन संप्रेषण —

जाप शब्द से उपचार का उल्लंघन संप्रेषण दें।

$$15 \times 3 = 45 \text{ दिन}$$